

गृह मंत्रालय
राजभाषा विभाग

एनडीसीसी-II भवन, बी विंग, चौथा तल

जय सिंह रोड, नई दिल्ली-110001

दिनांक : 30 सितंबर 2025

कार्यालय ज्ञापन

विषय : सरकारी कार्यालयों के पुस्तकालयों में हिंदी पुस्तकों की खरीद।

उपर्युक्त विषय पर राजभाषा विभाग द्वारा पूर्व में जारी किए गए दिनांक 19 नवंबर, 2024 के समसंख्यक का.ज्ञा. के अनुदेशों की ओर पुनः ध्यान आकर्षित किया जाता है जिसके द्वारा अन्य प्रकाशनों के साथ-साथ भारत सरकार के प्रकाशन विभाग द्वारा हिंदी में प्रकाशित किताबें भी सरकारी कार्यालयों के पुस्तकालयों में खरीदे जाने के लिए संस्तुत की गई थीं।

राजभाषा विभाग द्वारा विभाग की स्वर्ण जयंती के अवसर पर विभाग की **कॉफी टेबल बुक** “संघटनतः पूर्णतां प्रति चरैवेति चरैवेति” का प्रकाशन किया गया है। यह कॉफी टेबल बुक राजभाषा विभाग की 50 वर्षों की यात्रा के साथ-साथ हिंदी भाषा और साहित्य की यात्रा का भी एक जीवंत दस्तावेज है जिसे विभाग द्वारा अत्यंत मनोयोग से तैयार किया गया है।

इसके अतिरिक्त विभाग द्वारा आपरेशन सिंदूर को केंद्र में रखकर **सिंदूर: परंपरा, प्रतीक और पराक्रम** पुस्तक तैयार की गई है जो इस आपरेशन में सम्मिलित अधिकारियों के अदम्य साहस, अनुशासन और समर्पण की एक प्रेरक गाथा है। यह न केवल भावनात्मक दृष्टि से सशक्त पुस्तक है बल्कि एक ऐसी पुस्तक है जो सांस्कृतिक चेतना और देशभक्ति से ओतप्रोत अनुभवों को सामने लाती है। इसी प्रकार विभाग द्वारा भारतीय भाषाओं और हिंदी के अन्तर्संबंधों पर **भारतीय भाषाएं और राजभाषा हिंदी: सह-अस्तित्व की गाथा** पुस्तक का भी प्रकाशन किया गया है जिसमें हिंदी और भारतीय भाषाओं के श्रेष्ठ विद्वानों ने अपने लेख लिखे हैं। इन प्रतिष्ठित विद्वानों ने भारतीय भाषाओं और राजभाषा हिंदी के अन्तर्संबंधों को लेकर गहन विमर्श किया है।

चूंकि विभाग द्वारा प्रकाशित कॉफी टेबल बुक और दोनों अन्य पुस्तकों को अब भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के प्रकाशन विभाग द्वारा पुनः मुद्रित किया जा चुका है, अतः इनकी प्रतियां अपने कार्यालय के पुस्तकालय के लिए निम्न विवरण के अनुसार प्रकाशन विभाग से संपर्क करके मंगा सकते हैं:-

क्रम संख्या	पुस्तक का नाम	पुस्तक का अंकित मूल्य	प्रकाशक	खरीद के लिए संपर्क सूत्र
1.	कॉफी टेबल बुक “संघटनतः पूर्णतां प्रति चरैवेति चरैवेति	1055/-	प्रकाशन विभाग सूचना भवन, सी.जी.ओ. कॉम्प्लेक्स, लोदी रोड, नई दिल्ली	सुश्री इस्मीत कौर व्यवसाय प्रबंधक/प्रभारी- मो.- 9988501862
2.	सिंदूर: परंपरा, प्रतीक और पराक्रम	145/-		
3.	भारतीय भाषाएं और राजभाषा हिंदी: सह- अस्तित्व की गाथा	195/-		

सभी मंत्रालयों/विभागों से अनुरोध है कि वे इन अनुदेशों को अपने सभी संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों और केंद्रीय सरकार के स्वामित्व/नियंत्रणाधीन कम्पनियों/उपक्रमों/राष्ट्रीयकृत बैंकों आदि के ध्यान में ला दें। इस संबंध में दिए अनुदेशों की एक प्रतिलिपि कृपया इस विभाग को सूचनार्थ भेजने की व्यवस्था करें।

(निधि पाण्डेय)
30/9/22

(डॉ. निधि पाण्डेय)

संयुक्त सचिव, भारत सरकार

प्रति :

1. भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों के संयुक्त सचिव (प्रशासन)/राजभाषा प्रभारी-वेबसाइट के माध्यम से
2. निदेशक, एन आई सी को इस अनुरोध के साथ कि इस कार्यालय ज्ञापन को राजभाषा विभाग की वेबसाइट पर अपलोड कराएं।